शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म. प्र.)

ENERGY CONSERVATION POLICY

ऊर्जा संरक्षण नीति

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

ऊर्जा संरक्षण नीति

प्रस्तावना:-

पर्यावरण-अनुकूलता और ऊर्जा संरक्षण वर्तमान समय में किसी भी संगठन के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण कारक हैं। सरकार की ऊर्जा नीति में निर्दिष्ट इन कारकों को ध्यान में रखते हुए शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर, ऊर्जा संरक्षण तथा नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के प्रयोग का समर्थन करता है । ऊर्जा संरक्षण तथा नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के प्रयोग के महत्व का एक अन्य कारक ,तेजी से बढ़ती ऊर्जा मांग है। वर्तमान परिस्थितियों में बढ़ती ऊर्जा खपत और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए तुलसी महाविद्यालय ने भी कुशल ऊर्जा प्रबंधन को अपनाने हेतु ऊर्जा संरक्षण नीति का निर्माण किया है।

कथन :-

शासकीय तुलसी महाविद्यालय की ऊर्जा संरक्षण नीति, ऊर्जा आवश्यकताओं का अवलोकन, संरक्षण और प्रबंधन करती है। संस्थान की ऊर्जा मांगों में वृद्धि के साथ ,ऊर्जा संरक्षण उपायों के बारे में छात्रों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करना संस्थान की जिम्मेदारी है।

उद्देश्य:-

अक्षय सौर ऊर्जा उत्पादन प्रणाली को अपनाने के साथ विद्युत ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग करना , साथ ही ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के उपयोग से महाविद्यालय परिसर में हरित ऊर्जा को बनाए रखना महाविद्यालय के प्राथमिक उद्देश्यों में है।

निम्नलिखित उद्देश्यों से तुलसी महाविद्यालय ऊर्जा नीति का कार्यान्वयन होगा-

1. ऊर्जा खपत को कम करने के लिए ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

2. ऊर्जा कुशल उपकरणों के उपयोग से ऊर्जा की खपत को कम करना और दिन के उजाले और प्राकृतिक वेंटिलेशन का अधिकतम उपयोग करना।

3.पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरूक करने एवं उनमें पर्यावरण एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना।

4. ऊर्जा संरक्षण की दिशा में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग तथा ऊर्जा बचत उपायों को अपनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहना।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

कार्य योजना: -

तुलसी कॉलेज विभिन्न उपायों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण प्रक्रियाओं को अधिकतम करने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था का उद्देश्य वास्तविक और व्यापक रूप से ऊर्जा की खपत को कम करना है जिसे विद्यार्थियों एवं अधिकारी व कर्मचारियों में पर्यावरण के प्रति जागरूक, सक्रिय और प्रगतिशील दृष्टिकोण विकसित करके प्राप्त किया जाएगा।

1. परिसर में ऊर्जा की बर्बादी की निगरानी और जांच के लिए एक समिति का गठन करना।

2. साल में एक बार ग्रीन ऑडिट करवाना।

3. बैक-अप बिजली आपूर्ति के साथ परिसर की ऊर्जा जरूरतों को बनाए रखना।

4. एलईडी लैंप के साथ मौजूदा पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था का प्रतिस्थापन।

5. छात्रों और कर्मचारियों में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना. ।

6. छात्रों और कर्मचारियों को ऊर्जा साक्षर बनाने के साथ ही वाहन पूलिंग और साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।

7. ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करना।

8. ऊर्जा के गैर-नवीकरणीय स्रोत के उपयोग को कम करना।

9. ऊर्जा साक्षरता अभियान और उपायों सहित जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण प्रक्रियाओं से अवगत कराना।

10 . कॉलेज के संचालन में एनर्जी सेव टिप्स का पालन करना ।

एनर्जी सेव टिप्स

- कंप्यूटर और मॉनिटर पर पावर प्रबंधन सुविधाओं को सक्रिय करें, ताकि जब छात्र और कर्मचारी इस पर काम नहीं कर रहे हों तो यह "स्लीप" मोड में चला जाए।
- जब छात्र और कर्मचारी टेबल छोड़ दें तो मॉनिटर बंद कर दें।
- जब भी संभव हो, लॉग ऑफ करने के बजाय शट डाउन करें।
- अनावश्यक रोशनी बंद करें और इसके बजाय दिन के उजाले का उपयोग करें।
- सजावटी प्रकाश व्यवस्था के प्रयोग से बचें।
- एलईडी या कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट बल्ब का प्रयोग करें।
- कॉन्फ्रेंस हॉल, क्लासरूम, सेमिनार हॉल में जब वे उपयोग में न हों तो लाइट बंद रखें।
- पंखों का उपयोग तभी करें जब उनकी जरूरत हो।
- पावर स्ट्रिप्स में प्लग नहीं किए गए उपकरणों को अनप्लग करें।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

हमारे ऊर्जा संरक्षण अभ्यास -

- हमारे ऊर्जा संरक्षण प्रयासों में महाविद्यालय में सभी ट्यूब लाइटों को एलईडी ट्यूबों एवं एलईडी बल्ब से बदलना शामिल है। क्योंकि एलईडी बल्ब सबसे अधिक ऊर्जा कुशल प्रकाश विकल्प हैं एवं एलईडी ट्यूब 75% कम बिजली का उपयोग करते हैं। एलईडी ट्यूब पारंपरिक की तुलना में लगभग 25 गुना अधिक समय तक चलती है। वर्तमान में प्रकाश की 100 प्रतिशत आवश्यकता एलईडी के माध्यम से पूरी की जाती है।
- छात्रों और कर्मचारियों द्वारा , जरूरत न होने पर सभी लाइटों, उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक्स को बंद करने जैसी सरल किंतु प्रभावी आदतों को विकसित करने पर दिया जाता है।
- विद्यार्थियों को ऊर्जा के समुचित उपयोग के लिए दिशा-निर्देश दिए जाते हैं कि संस्थान एवं घरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग न होने पर बिजली के स्विच बंद कर दिए जाएं।
- छात्रों और कर्मचारियों के बीच ऊर्जा संरक्षण प्रथाओं और पर्यावरण के अनुकूल आदतों को विकसित करने के लिए समय-समय पर व्याख्यान आदि के माध्यम से जागरूक किया जाता है।
- इस वर्ष से महाविद्यालय द्वारा वार्षिक एनर्जी ऑडिट अनिवार्य किया गया है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)